A-0392

Total Pages : 4 **Roll No. ----------**

MAJY-501

भारतीय ज्योतिष का परिचय एवं इतिहास–01

MA Jyotish (MAJY)

1st Semester, Examination 2024 (Dec.)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 70

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

P.T.O.

खण्ड–'क'

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x19=38]

Q.1. त्रिस्कन्ध ज्योतिष का वर्णन करें।

Q.2. वेदांग ज्योतिष से आप क्या समझते है? उसमें प्रतिपाद्य मुख्य विषय का वर्णन कीजिये।

Q.3. ज्योतिष की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डालिये।

Q.4. सिद्धान्त ज्योतिष के प्रसिद्ध आचार्य एवं उनके प्रमुख ग्रन्थों का विश्लेषण करें।

Q.5. पठित ग्रन्थ के आधार पर संहिता ज्योतिष का प्रतिपादन कीजिये।

खण्ड–'ख'

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x8=32]

Q.1. ज्योतिष शास्त्र का संक्षिप्त परिचय दीजिये।

Q.2. ज्योतिष शास्त्र की उत्पत्ति कैसे हुई?

Q.3. बहुस्कन्धात्मक ज्योतिष से क्या तात्पर्य है?

Q.4. ज्योतिष शास्त्र की वेदांगता से क्या अभिप्राय है?

Q.5. होरा ज्योतिष का परिचय दीजिये।

Q.6. वेदांग ज्योतिष में प्रतिपादित दिनमान का उल्लेख करें।

P.T.O.

Q.7. वैदिक ज्योतिष एवं वेदांग ज्योतिष में अन्तर स्पष्ट करें।

Q.8. आर्च ज्योतिष का प्रतिपादन कीजिये।

****